PO / PSO

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मिर्जापुर

विषय– संस्कृत कक्षा– स्नातकोत्तर

प्रोग्राम आउटकम्स

- छात्र–छात्राओं को अध्ययन की दृष्टि से संस्कृत भाषा की कुशलता प्राप्त होगी।
- भारतीय ज्ञान परम्परा का अवगाहन करके अपने नैतिक एवं चारित्रिक विकास को करते हुए समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।
- चारित्रिक आत्मबल से सम्पृक्त होकर सामाजिक एवं समसामयिक कुरीतियों एवं चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
- राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।
- भाषागत पारंगता को प्राप्त कर प्रभावशाली व्यक्तित्व की क्षमता का विकास होगा।

प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम्स

- संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व का अवगाहन करते हुए समसामयिक उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- संस्कृत वांड्मय की वैदिक एवं लौकिक परंपरा से सुपरिचित होंगे।
- संस्कृत के वैज्ञानिक व्याकरण से अवगत होकर के शुद्ध लेखन शुद्ध पठन एवं शुद्ध उच्चारण में परिपक्व होंगे।
- आयुर्वेद वास्तु शास्त्र ज्योतिष नित्य नियमितिक कर्मकांड इत्यादि के द्वारा जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- प्राचीन संस्कृत की बौद्धिक धारा से अवगत होकर के संपूर्ण विश्व को श्रेष्ठ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान करेंगे।
- ऋषियों एवं मुनियों द्वारा प्रवाहित ज्ञान गंगा में अवगाहन करके स्वयं को उत्कृष्ट नागरिक बनाने के साथ–साथ संपूर्ण राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग करेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।
- धर्म दर्शन आचार व्यवहार नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्व को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।

23.8.23
Head of the Department

IQAC

Coordinator 23.8.23
Program learning
outcome Committee

Principal

उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष, सप्तम सेमेस्टर

विषय– संस्कृत कक्षा– स्नातकोत्तर

प्रथम प्रश्नपत्र प्रश्न पत्र का शीर्षक – वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् छात्र–

- वैदिक देवताओं की प्रकृति, क्रिया और प्रतिनिधित्व के बारे में ज्ञान होगा।
- वैदिक स्तुतियों के भाव को समझने में दक्षता प्राप्त होगी।
- प्राचीन और आधुनिक वैदिक भाष्यकारों के विचारों से अवगत होंगे।
- उपनिषदों में सन्निहित ज्ञान परंपरा से परिचित हो सकेंगे।

द्वितीय प्रश्नपत्र प्रश्न पत्र का शीर्षक – भारतीय दर्शन

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- न्याय,सांख्य और वेदान्त दर्शन की मौलिक अवधारणाओं का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे।
- ज्ञान मीमांसा के अध्ययन में दार्शनिकों के योगदान को समझेंगे जिसका अनुप्रयोग बहुत महत्वपूर्ण है।
- दैनिक जीवन में न्याय दर्शन एवं जीवन दर्शन के सिद्धांत सत्य के उचित निर्णय में उनकी सहायता करेंगे।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे।
- अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में न्याय सॉन्ग और वेदांत दर्शन को के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में कुशल होंगे।

तृतीय प्रश्नपत्र प्रश्न पत्र का शीर्षक – प्राकृत भाषा का परिचय एवं काव्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र–

- प्राकृत के गद्यात्मक एवं पद्यात्मक कथाओं के माध्यम से प्राचीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक और चारित्रिक वैशिष्ट्य एवं महत्वपूर्ण बौद्धकालीन अभिलेखों की लिपियों का सम्यक् अध्ययन एवं शोध कर सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रश्न पत्र का शीर्षक – भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- छात्र आधुनिक भाषा के आगमन के साथ हुई संस्कृत भाषा का अवलोकन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की मूल अवधारणा और भाषा परिवर्तन के नियम और संस्कृत में उनके अनुप्रयोग को समझ सकेंगे।
- भाषा और भाषाविज्ञान के दर्शन के प्राचीन भारतीय विचारकों के योगदान का अवलोकन और सराहना करने में सक्षम होंगे।
- व्याकरण के इतिहास के महत्वपूर्ण प्रासंगिक और उनके उद्देश्य को समझने में सक्षम होंगे।
- शब्द की प्रकृति अर्थ और उनके संबंध और व्याकरणिदों के स्फोट सिद्धांत को समझने में सक्षम होंगे।

उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र प्रश्न पत्र का शीर्षक – वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास

अधिगम उपलब्धि कोर्स आउटकम्स

- वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्व को समझ सकेंगे ।
- ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषदों में वर्णित सूक्ष्म सिद्धांतों का अवगाहन कर आत्मकल्याण कर सकेंगे।
- उपनिषदों में वर्णित ब्रह्मविषयक सिद्धांतों का अवलोकन कर सकेंगे।
- वैदिक साहित्य के आरण्यक उपनिषद एवं वेदांत शाखा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- तैत्तिरीय उपनिषद की ब्रह्मानंद वल्ली में वर्णित ब्रह्म तत्व विवेचन के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे

अष्टम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र भारतीय दर्शन

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र–

- सांख्य और वेदांत दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे।
- अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में सांख्य, वेदांत तथा न्याय दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- सत्य के उचित निर्णय में उनकी मदद करने वाली जीवन स्थितियाँ समझ सकेंगे।

तृतीय प्रश्न पत्र– प्रश्नपत्र का नाम– काव्यशास्त्र एवं काव्य।

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र काव्य के लक्षण, काव्य प्रयोजन तथा काव्य में उल्लिखित शब्द शक्तियों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- रघुवंश महाकाव्य में वर्णित राजाओं के आदर्श जीवन से नैतिक मूल्यों का अवबोधन करने में सक्षम होंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र– वैकल्पिक क प्रश्नपत्र का नाम– पालि भाषा का परिचय एवं काव्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र पाली के गद्यात्मक एवं पद्यात्मक कथाओं के माध्यम से प्राचीन भारतीय सामाजिक राजनीतिक और चारित्रिक वैशिष्ट्य एवं महत्वपूर्ण बौद्धकालीन अभिलेखों की लिपियों का सम्यक् अध्ययन कर सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र – वैकल्पिक ख प्रश्नपत्र का नाम– भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र भारत की भाषाओं के साथ विश्व की भाषाओं का क्या संबंध है इसके विषय में अवगत होंगे तथा भाषागत विशेषता का अवगाहन करेंगे।
- भाषा और भाषा विज्ञान के दर्शन के प्राचीन भारतीय विचारकों के योगदान का अवलोकन और सराहना करने में सक्षम होंगे।
- व्याकरण के इतिहास के महत्वपूर्ण प्रासंगिक और उनके उद्देश्य को समझने में सक्षम होंगे।

- शब्द की प्रकृति अर्थ और उनके संबंध को समझने में सक्षम होंगे।
- शब्दों के निर्माण प्रक्रिया की विशेषता को समझ सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र वैकल्पिक ग प्रश्नपत्र का नाम– संस्कृत रचना एवं निबन्ध

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र संस्कृत साहित्य में वर्णित नैतिक मूल्यों को समझ सकेंगे तथा जीवन में उनका अनुपालन करेंगे।
- संस्कृत रचना में निपुण होंगे।
- समसामयिक विषयों को संस्कृत भाषा में वर्णन करने में दक्ष होंगे।

उच्च शिक्षा का पंचम वर्ष नवम सेमेस्टर संस्कृत

वेद वर्ग (अनिवार्य) प्रथम प्रश्न पत्र– प्रश्नपत्र का नाम– संहिता साहित्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र ऋग्वेद संहिता में वर्णित वैदिक संस्कृति एवं परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- वैदिक ऋषियों द्वारा प्रोक्त मानव मूल्यों को समझ सकेंगे।

वेद वर्ग द्वितीय प्रश्नपत्र– प्रश्नपत्र का नाम– ब्राह्मण साहित्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र ऐतरेय ब्राह्मण में वर्णित वैदिक ज्ञान परंपरा से अवबोधित हो सकेंगे ।
- वैदिक स्वर प्रक्रिया के द्वारा वेद मन्त्रोच्चारण में दक्ष हो सकेंगे।

तृतीय प्रश्न पत्र (कल्प साहित्य)

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र–

- श्रौतसूत्रों तथा गृहसूत्रों में वर्णित वैदिक ज्ञान परंपरा तथा भारतीय संस्कृति से परिचित होंगे ।

- संस्कारों के विषय में अवगत होंगे।
- श्रेष्ठ आदर्शों की स्थापना कर सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक क (वैदिक संस्कृति)

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र वैदिक कालीन संस्कृति से सुपरिचित होंगे।
- वैदिक कालीन सामाजिक राजनीतिक शैक्षिक धार्मिक व्यवस्था से परिचित होते हुए वर्तमान में उसकी उपादेयता को समझ सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रश्नपत्र का नाम– वैकल्पिक ख आरण्यक साहित्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र आरण्यकों में वर्णित वैदिक ज्ञान परंपरा से सुपरिचित होंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र वैकल्पिक ग प्रमुख वैदिक ऋषि परिचय

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र पूज्य वेदविद् ऋषियों से सुपरिचित हो सकेंगे ।

उच्च शिक्षा का पंचम वर्ष दशम सेमेस्टर

वेद वर्ग प्रथम प्रश्न पत्र संहिता साहित्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र शुक्ल यजुर्वेद में वर्णित वैदिक ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।
- पृथ्वी के महत्व को समझ सकेंगे।
- तैत्तिरीय संहिता में वर्णित वैदिक ज्ञान को आत्मसात करेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र ब्राह्मण साहित्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र शतपथ ब्राह्मण में वैदिक यज्ञीय विधि विधानों को समझ सकेंगे।
- वर्तमान में यज्ञीय प्रक्रिया का अनुपालन कर सकेंगे।

तृतीय प्रश्न पत्र निरुक्त छंद शास्त्र एवं प्रातिशाख्य

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र–

- वैदिक शब्दों के निर्वचन की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- वेद मन्त्रों के उच्चारण विषयक शुद्धता पर विशिष्ट ध्यान देंगे।
- प्रातिशाख्यों में वर्णित शिक्षा विषयक सूक्ष्म ज्ञान को समझ सकेंगे।
- उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र वैकल्पिक क वैदिक एवं वैदिकोत्तर साहित्य में स्त्री प्रस्थिति

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र वैदिक कालीन स्त्रियों के आदर्शों की प्रति जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वर्तमान में स्त्रियों के सशक्तिकरण के प्रति महत्वपूर्ण सहयोग करेंगे।
- वैदिक कालीन नारी प्रस्थिति से अवगत होंगे।

चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक (ख) उपनिषद् एवं याग परिचय

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र उपनिषदों में वर्णित यज्ञीय प्रक्रिया के आध्यात्मिक महत्व को समझ सकेंगे।
- यज्ञ की वैज्ञानिक विधि को वर्तमान में प्रयोग करेंगे।
- यज्ञ के महत्व को समाज के सम्मुख उपस्थापित करेंगे।

चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक ग वैदिक एवं वैदिकोत्तर साहित्य में न्याय एवं सैन्य प्रबंधन

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र वैदिक कालीन न्याय व्यवस्था से परिचित हो सकेंगे।
- सैन्य प्रबन्धन की प्रक्रिया से अवगत होंगे।
- वर्तमान में उसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष

माइनर इलेक्टिव प्रश्न पत्र संस्कृत साहित्यावलोकन

अधिगम उपलब्धि कोर्स आउटकम्स

- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र संस्कृत साहित्य से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता से अवगत होंगे ।
- प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को समझ सकेंगे।

डॉ प्रभात कुमार सिंह
विभाग प्रभारी संस्कृत
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मीरजापुर